कार्पल टनल रिकंस्ट्रक्शन सर्जरी

INSTITUTE OF MUSCULOSKELETAL DISORDERS AND ORTHOPAEDICS

कार्पल टनल रिकंस्ट्रक्शन सर्जरी क्या है?

कार्पल टनल रिकंस्ट्रक्शन सर्जरी एक सर्जिकल प्रक्रिया है, जिसमें कार्पल टनल की चौड़ाई बढ़ाई जाती है ताकि मीडियन नर्व पर दबाव कम किया जा सके। कार्पल टनल कलाई के अंदर एक सिकुड़ा पथ होता है, जिसमें मीडियन नर्व और हथेली में जाने वाली मांसपेशियों और टेंडन गुजरते हैं। कार्पल टनल सिंड्रोम एक ऐसी स्थिति है जिसमें मीडियन नर्व पर दबाव पड़ता है। इससे हाथ की हथेली में दर्द और झुनझुनी महसूस हो सकती है।

कार्पल टनल रिकंस्ट्रक्शन सर्जरी की आवश्यकता कब पड़ सकती है?

कार्पल टनल रिकंस्ट्रक्शन सर्जरी की आवश्यकता इस बात पर निर्भर करती है कि कॉर्पल टनल सिंड्रोम के लक्षण कितने गंभीर हैं और वे दैनिक गतिविधियों को कितना प्रभावित कर रहे हैं। यदि लक्षण गंभीर हैं और गैर-सर्जिकल उपचार से आराम नहीं मिल रहा है, तो कार्पल टनल रिकंस्ट्रक्शन सर्जरी एक उपचार विकल्प हो सकता है। कार्पल टनल रिकंस्ट्रक्शन सर्जरी की आवश्यकता के कुछ संकेत हैं:

- आपके हाथ की हथेली में तीव्र दर्द, विशेष रूप से रात में
- हाथ की हथेली और उंगलियों में सुन्नपन महसूस होना, मुख्यतः रात में
- हाथ की पकड़ कमजोर होना

कार्पल टनल रिकंस्ट्रक्शन सर्जरी से पहले क्या सावधानियां बरतनी चाहिए?

कार्पल टनल रिकंस्ट्रक्शन सर्जरी से पहले निम्नलिखित सावधानियां बरतनी चाहिए:

- मरीज़ डॉक्टर को अपनी चिकित्सीय स्थिति, रक्त विकार, और चल रही दवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दें।
- सर्जरी से पहले हानिकारक आदतें जैसे धूम्रपान, ड्रग्स, और शराब का सेवन छोड़ें और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं।
- सर्जरी से पहले, डॉक्टर विभिन्न परीक्षण जैसे कलाई का एक्स-रे, रक्त परीक्षण, और एलर्जी टेस्ट करवाएंगे।
- सर्जरी से संबंधित कोई भी प्रश्न हो तो डॉक्टर से पूछने में संकोच न करें।

कार्पल टनल रिकंस्ट्रक्शन सर्जरी के दौरान क्या होता है?

कार्पल टनल रिकंस्ट्रक्शन सर्जरी के दौरान:

- मरीज़ को जनरल या स्थानिक एनेस्थीसिया दिया जाता है।
- सर्जरी के प्रकार के आधार पर, सर्जन कलाई के अंदरूनी भाग में एक लंबा (ओपन सर्जरी में) या कई छोटे-छोटे चीरे (लैप्रोस्कोपिक सर्जरी में) लगाते हैं।

- सर्जन इन चीरों के माध्यम से कार्पल टनल को खोलते हैं और मीडियन नर्व पर दबाव डालने वाले लिगामेंट को काट देते हैं।
- इसके बाद चीरे वाली जगह को बंद कर देते हैं।

कार्पल टनल रिकंस्ट्रक्शन सर्जरी के बाद क्या होता है?

- सर्जरी के बाद दर्द और सूजन कम करने के लिए आवश्यक दवाएँ दी जाएंगी।
- मरीज़ को कुछ दिन हथेली को न हिलाने और पूर्ण आराम देने की सलाह दी जाएगी।
- कुछ दिन बाद फ़िज़ियोथेरेपी और विशिष्ट व्यायाम की सलाह दी जाएगी।

कार्पल टनल रिकंस्ट्रक्शन सर्जरी के क्या जोखिम होते हैं?

कार्पल टनल रिकंस्ट्रक्शन सर्जरी साधारणतः कम जोखिम वाली सर्जरी है। फिर भी इसके निम्नलिखित जोखिम हो सकते हैं:

- सर्जरी के स्थान पर संक्रमण या रक्तस्राव
- आस-पास के ऊतकों, तंत्रिका, या धमनियों को नुकसान
- सर्जरी की विफलता
- सर्जरी के दौरान कलाई का फ्रैक्चर या हड्डियों का डिस्लोकेशन

किन परिस्थितियों में तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें?

यदि मरीज़ को निम्नलिखित में से कोई भी लक्षण महसूस हों तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें:

- असहनीय दर्द या सूजन का बढ़ना
- बुखार
- चीरे के स्थान पर संक्रमण के लक्षण, जैसे दर्द, लालिमा, और गर्म होना
- हाथ की गतिविधियों में कठिनाई महसूस होना

24/7 सेवा

मेदांता **24X7**
आपातकालीन हेल्पलाइन

1068

अपॉइंटमेंट बुक करने
के लिए स्कैन करें

medanta हेल्पलाइन
890-439-5588
Visit us at : www.medanta.org

मेदांता नेटवर्क: गुरुग्राम । दिल्ली । लखनऊ । पटना । इंदौर । रांची । नोएडा *
शीघ्र प्रारम्भ